



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0940595

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Pritesh Rajput

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

27/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Delhi 03

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
<p>1 (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
<p>2 अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
<p>3 परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
<p>4 उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
<p>5 उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
<p>6 प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
<p>7 प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
<p>8 यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**

Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

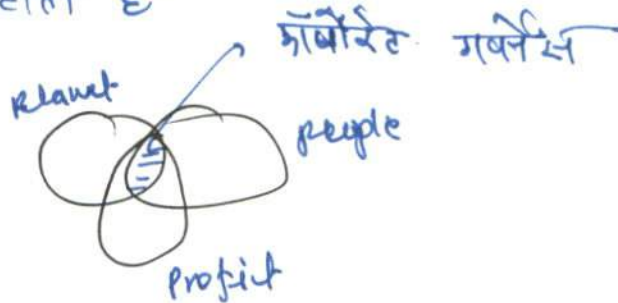
1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

निजी संस्थानों, कंपनियों के कार्य करने की व्यवस्था को कॉर्पोरेट गवर्नेंस कहा जाता है। यह मुख्यतः श्री बेसिक पर आधारित होता है



ESG से एकीकृत करने पर महत्व —

- ① ~~अ~~ उपभोक्ता बायीं संस्थानों व बिचार से पर्यावरण के प्रति मानवीयता जागृत होगा।
- ② गांधी जी का दृष्टीशील का ध्येय पूर्ण हो सकता है।
- ③ जॉन रॉस के सिद्धांत समाज को लभान्वित करने कंपनियों पवित्र होगा।

- ④ प्रशासन में स्पष्टता, पारदर्शिता और कर्मचारियों के प्रति नैतिकता का ज्ञान प्राप्त हो सकता है।

प्रतिक्रिया से लाभ

- ① सौजन्य को कर्मचारी की सेवाएँ के
स्थान पर समन्वय को प्रदान करने का सकारण
होगा।

उदा. - ~~सब कर्मचारी~~
राष्ट्र कर्मचारी

- ② समाज को अधिक लाभ प्राप्त -

→ राज्य की प्रति सरकार को
जपता को कम कीमत पर सेवा

- ③ आंतरिक समन्वय व कर्मचारियों में
सहानुभूति, समानुभूति का विकास होगा।

ESD से कॉर्पोरेट वर्ल्ड को

एक नई दिशा प्रदान कर समाज व पर्यावरण
के प्रति उत्सुक किया जा सकता है जो
गांधी जी के सिद्धांतों के प्रशंसक हैं।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

किसी कार्य को करने किसी व्यक्ति
इस नियमों, कानूनों से पैर जाकर लाभ प्राप्त
करना भ्रष्टाचार कहलाता है।

उदा. - पैसा लेकर कार्य सम्पन्न करना

रिश्वत देने वाले को शामिल - चुनौतियाँ

- ① भ्रष्टाचार अधिनियम में रिश्वत देने वाले को भी अपराधी माना गया है।
- ② रिश्वत देकर रिश्वत व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है
- ③ रिश्वत को संस्थागत समाज में मान्य होने लगता है।
- ④ रिश्वत देकर कार्य करने से दूसरे व्यक्तियों के समानता का अधिकार का हनन होता है।
(अनु. 14 व 15)

⑤ शिवत नेने बलि के भैरव का घीरे - धौरे
हारा होने लगता है।

⑥ स्थित लौह हो स्थापित होता है।

⑦ मिलीभगत से प्रशासन में पारदर्शिता,
निष्पक्षता का हमने बोधे लगता है।

भूषणार्थ प्रशासन को पंख
बनाकर अधिकारियों को शैतिक बना देता है,
गांधी जी के तथा जैन धर्म, बौद्ध धर्म के
संतोष रूपी धन एवं आवश्यकता के अनुसार ही
धन संयोजन का चलन का भूषणार्थ के शैतिक
उद्देश्य से पाद-पाया जा सकता है।

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

किसी संगठन द्वारा अपने सेवाओं को त्पान करने, शिकायत निवारण, सेवाओं की सूची की शीघ्रत फलप्रेष को नागरिक चार्टर रुध जाता है।

उदा - बैंकों में लगे सेवा सूची

लागू करने पर होने वाली बाधाएँ →

① उपलब्धता → कर्मचारों व अधिकारियों में

② पारदर्शिता का अभाव → नागरिकों को सेवा देने में पारदर्शिता को न अपनाता।

उदा. - लाभार्थियों की जानकारी सुपाना।

③ नौकरशाही - अधिकारी अपने को राजा समझते लगता है।

④ जागरूकता का अभाव

जनता
मीडिया
नागरिक समाज

⑤ शिकायत विचारण \leftarrow कहीं व्यवस्था ही नहीं
कहीं अधिक समय में
कहीं ठीक जगह में।

⑥ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रभाव - अधिकारी कर्मचारी
लाभार्थियों के भावनाओं को समझ नहीं
पते और न-य अनिवार्यक सेवा देते हैं।

प्रभाव \rightarrow जासूसी बर्तन प्रसार करना \rightarrow मोड़िया
प्रशासन में पारदर्शिता व सेवा का सहायता
भाव के - प्रशासनिक सुधार आयोग (ए)
उपेक्षाओं को लागू करना
 \rightarrow कर्मचारी अधिकारियों का भावनात्मक
बुद्धिमत्ता देव प्रशिक्षण देना

"प्रशासन के दरवाजे पद आया
जारी सेवक नहीं राजा है और सेवा प्रदाता
सेवक होता है राजा नहीं" इस ध्येय से
नागरिक चर्च को लागू किया जाना चाहिये।

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस दृष्टिकोण में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कमजोर वर्गों तक सहायता द्वारा
सार्वजनिक सेवाओं का निष्पक्ष, पारदर्शी और
गुणवत्तापूर्ण वितरण कमजोर वर्गों का उत्थान
कर सकता है।

उदा. - शिक्षा के त्सार से ~~संवेदनशील~~ अभिरूचि
और नैतिकता में वृद्धि होता है।

सार्वजनिक सेवा वितरण के समक्ष चुनौतियाँ

① पारदर्शिता का अभाव → कितना सेवा किसको,
कब, किस समय तक पता नहीं चलता।

उदा → PDS में पारदर्शिता कम → भ्रष्टाचार बढ़ा

② ज्ञान का अभाव - सरकार के पास कमजोर
वर्गों हेतु ज्ञान नहीं → वितरण में समस्या।

③ साम्प्रदायिक वातावरण - हिंदू-मुस्लिम में बढ़ते
कट्टरता → सेवा का पहुँच नहीं हो पाता।

उदा. - रूढ़ में स्थानात्मिक सेवा द्रुप।

④ भेदभाव - सेवा स्थापनाओं द्वारा धार्मिक, जाति
वर्ग आधारित।

उदा. - दलितों को संविदा 100S में अनाज देना।

सार्वजनिक सेवा वितरण के लाभ

- ① पारदर्शिता में वृद्धि → RTI, 2005 द्वारा
- ② सेवा प्राप्तिको जागरूकता बढ़ी → सीरिजित
चर्चा द्वारा।
- ③ गुणवत्ता में वृद्धि - पारदर्शी, निष्पक्ष,
व्यवस्था से
- ④ आमजनोपयोग में वृद्धि → कमजोर वर्ग
 - महिला
 - विधवा
 - वृद्ध
 - जनजाति

सार्वजनिक सेवा वितरण सरकार
का प्रशासन का मुख्य कार्य है इसे समानता
के भावना के माध्यम से समावेशिता को बनाए
रखते हुए सभी लोगों तक (मुख्यतः कमजोर वर्ग)
तक पहुँचाना आवश्यक है।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

बुद्धिमान व्यक्ति अपनी बुद्धिमत्ता
का उपयोग कर धन का संचय नहीं करता
यह धन से ~~अधिक~~ आशय विचारधारा,
सूचना, जानकारी व ज्ञान से है।

विचारधारा और ज्ञान से संचय
करने को वस्तु या धन नहीं है इसे
विस्तारित करते रहना चाहिये। जब व्यक्ति
इसे दूसरे को देता है तो वह खुद उसे
अपने बुद्धि में और अधिक संग्रहित
करते जाता है।

इफाएण स्वरूप कितने विषय
के ज्ञान (माता कि गणित) को जब बुद्धिमान
व्यक्ति दूसरे को देता है तो व्यक्ति
के बुद्धि से यह ज्ञान समाप्त नहीं
होता बल्कि यह और अधिक स्पष्ट

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

स्पष्ट होते जाता है एवं सामने वही
व्यक्ति को भी तब प्राप्त हो जाता
है।

इसी प्रकार मिले व्यक्ति को सेवा
रूपी धन प्राप्त करने पर उस व्यक्ति
का भला हो होगा हो है राष्ट्रसेवक रूपी
धन को वृद्धि हमारे पंजर और बढ़ जाता
है।

अतः धन रूपी बुद्धिमानता का
सेवक करके नहीं रखना चाहिये उसे इससे
तक पहुँचा कर समुदाय कर देना चाहिये।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"
- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस स्थिति में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता

जैसे आशय किसी संगठन के शीर्ष अधिकारी
या अधिकारियों में नैतिकता कमो जैसे
लाभ - हानि का धर्म न समझना, भावस,
दृढ़ता, कृष्णा, मध्यमवृत्ति का धर्म से है।

यदि प्रबुद्धि 'ट्रेन सिस्टम' के
अनुसार व मोड़ने की कला के द्वारा निम्न
स्तर तक पहुँच जाता है।

जैसे हिलर में अनैतिकता
का प्रभाव प्रसार या इसके मास्टर में
महदियों के लगे हुए प्रभाव या जिसका प्रभाव
हिलर के अधीनस्थ व निम्न अधिकारियों
पर भी पड़ा जिससे निम्न अधिकारी भी
अपने विवेक को हत्या कर मध्यमवृत्ति, कृष्णा
के पक्षों चले गये एवं यही पर
अनैतिकता का प्रयोग करते गये।

यह कथन जैसा राजा वैसा ग्रामिनी,
तथा प्रजासत्ता के शोष का श्रृष्ट होने पर
पूरा समाज श्रृष्ट में होने को प्रेरित
करता है।

अतः शोष व्यवस्था को नैतिक, करण,
पारदर्शी बनाकर समाज को लोक सेवा
उन्मुखी व कल्याणकारी बनाया जा सकता है।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

कानून को स्वतंत्रता का हनन करने
वर्गे सिद्धांत के रूप में देखा जाता है
किंतु यह इसके विपरीत कार्य करता है -

सीमित नहीं → संरक्षण

① व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित
करने कानूनों का संरक्षण।

उदा. - भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार

② बाह्य तत्वों से सुरक्षा प्रदान करता है।

उदा. - बिना भय के प्राप्तिव्यक्ति का संश्लेषण

③ कानूनों के माध्यम से स्वतंत्रता का
विस्तार करना।

कानूनों में जैसे जीवन का
अधिकार जीवन को कम नहीं दिया

हैं बाकि स्वतंत्रता को बनाकर पूरे देश में लागू किया है।

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अतः कानून सीमित अर्थों में

स्वतंत्रता को कम करता है किन्तु व्यापक रूप
में सूक्ष्म विश्लेषण से पता चलता है कि
जहाँ स्वतंत्रता को संरक्षित करने के साथ
सबे काफ़ी है। अब्राहम लिंकन ने जो
स्वतंत्रता को महत्व को जानकर फल प्रथा
पर कानून बनाकर धन्य किया अर्थात् यहाँ
जो कानून ने स्वतंत्रता को बढ़ाया।

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस इच्छा में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दुनिया के धनोपार्जन करने वाले विश्व के विकास व सुधार हेतु अपने परिपक्व गुण, ज़रूरतों व वैशेषों के प्रति सहानुभूति के तहत सम्पत्ति दान दे रहे हैं।

यह महात्मा गांधी जी के हस्तेक्षण के निष्ठ ज्ञान पड़ता है।

सकारात्मक बदलाव —

① वैशेषों का उत्कार होता है → समाज में ज़रूरतपूर्ण जीवन यापन।

② आधारभूत आवश्यकताओं को पूर्ति होता है।
 शिला
 स्वास्थ्य
 खाद्य

③ भिन्न के अनुसार सेवाओं का उचित बंटवारा होता है।

④ विवेकानंद जी के मनुष्य सेवा ही ईश्वर सेवा है।
 उनके श्रावण का विस्तार है। → सामाजिक सेवा ↑

धुमौलियाँ

- तान सम्पत्तियों की सीमित मात्रा।
- वाता ज्वाला और व्यवहार में कम।
- प्रयातः हिप्पोहेसी ज्वाला व्याप्त है।
- पिप्पिने को सैरुहते के ज्वाला नज्जि।
- प्रवलेल्नना में ज्वाला निवेश → नैतिकता का विकास कम होगा।

दुनिया में बिल गेट्स, रतन टाटा, प्रजोम प्रेम जो बारा सत्तात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। इनके साथ करोड़ों रूपय/सम्पत्ति फन में पेया गया।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कश्चि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

वह उपकरण को मशीनों के मनुष्यों को तरह विचार करने और विश्लेषण के माध्यम तथ्यों का सही जवाब देने की क्षमता प्रदान करता है कृत्रिम बुद्धिमत्ता कहला है।

चिंताएँ-

निष्पक्षता → 1. लिंग, जाति, वर्ग में भेदभाव कर सकता है।
→ 2. पुराने आँकड़ों पर आधारित जानकारी देता है।

↳ उदा. - महिलाओं के प्रति नकारात्मक भावना

पारदर्शिता

→ कार्य प्रणाली पता नहीं चल पाता
→ जानकारी पूर्ण रूप से नहीं देता।
→ निष्पक्षता के अधिकार का हनन
→ IPR का उल्लंघन
↳ सहित्यकों का साहित्य उद्योग।

नौकरी -

→ कुरता प्रवृत्त लोगों को नौकरी से निम्न

↓
उनके स्थान पर AI

→ अनुवाद सेवा

→ Transcription के रूप में

→ मानवोद्योग बुद्धि के स्तर के नौकरी
में AI द्वारा अनुमोदित।

AI थल ही मधी प्रपना

परचम लहरा रहा है किंतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता
से निष्पत्ता, पारदर्शिता व नौकरी के विषय
पर मनुष्यों से बेहतर नहीं है।

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस वॉशिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19वीं शताब्दी में समाज को पुनर्जागरित करने में दयानंद सरस्वती जीका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

प्रभाव

महिला शिक्षा पर → समानता का भाव
बच्चों के प्रति सहानुभूति करना
उनके शिक्षा के अधिकार का प्रकाश
बेटों को गौर लेंगे → संस्कृति के प्रति प्रेम, सम्पन्न धार प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

वर्ण व्यवस्था का विरोध
→ निम्न वर्गों के प्रति करुणा का भाव

सामाजिक समानता

→ समाज में हतो. महिलाओं को समान स्थिति पर गौर दिये
समाज में हिन्दी व पारम्परिक भाषा को बढ़ावा दिये → राष्ट्रवाद, स्वराज्य का भावना

नैतिक मूल्य

शोषण को पाप व अनैतिक माना
राष्ट्र के प्रति समर्पण की
भावना

स्त्रियों के प्रति उदारवाद की भावना
संस्कृति के प्रति त्याग की भावना

स्वामी विवेकानंद ने समाज में
व्याप्त नैतिक कर्तव्यों का परिचय कर
नैतिकता का फ़सर दिये इसके लिये उनकी
'शुद्धीकरण' (विमोक्षधारा, अनैतिकता का) प्रशस्तनीय
है।

उम्मीदवारों को
इस इच्छा में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

जनता को सेवा प्रदान करने पूर्ण रूप से मन-वचन-कर्म से अपने प्राण को समर्पित कर देना।

उदा. - श्रीधर जो का रेलवे के विकास का लोक सेवा के प्रति समर्पण

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

किसी अधिकारी द्वारा धर्म, जाति, बंधु-
लिंग, राजनीतिक पार्ष्ण्य से रहस्य रहकर
प्रपन्न कार्य व सेवा प्रदान करना

उदा. - न्यायालय का कार्य

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

किसी व्यक्ति द्वारा निर्णय कृत समय
अपने पूर्वाग्रहों, तिराकों, बंधुकारों से पूर्ण
रहस्य होकर नियमों, आशुनों लक्षों आ के
भ्रुषण निर्णय देना।

उदा. → हिन्दू मुस्लिम दोनों को समान सेवा
प्रदान करना)

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

सहिष्णुता में आशय है कि अपने से
अन्य धर्म के प्रति सम्मान का भाव, उनके तर्कों
को सुनना एवं सकारात्मक होने पर उसे
स्वीकार कर लेना।

उदाहरण - मध्यकाल में अकबर का समय
दीन - ए - इलाही

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

किसी व्यक्ति के दयनीय व निम्न
स्थिति को देखकर उसके दुःख को अपने
द्वारा सहसूस करना एवं उसके दुःख को
ह्रस्व रूप से का मन में भाव आना।

उदा. - मरने वाला जो का वंचितों के
प्रति भाव।

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस बॉक्स में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपनी तथा किसी व्यक्ति के मानसिक स्थिति को समझकर उसे प्रबंधित, नियंत्रित एवं विनियमित करना भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहलाता है।

लाभ

पेशेवर जिंदगी में

व्यावसायिक जीवन में
ग्राहकों के मनोभावों को
समझकर

→ भावनाओं को परिवर्तित कर
अपने सामान व सेवा देने के
लिए उपयोग करना (मपरा दुकान)

→ मैकरो में तनाव को प्रबंधित
करना (राजनीतिक दबाव में)

→ अपने भविष्य के कार्यों के प्रति
मोतिवेट करना (कार्य में सफलता के लिए)

→ व्यक्ति को समझकर सही जगह
सही व्यक्ति को लगाना।

शैजमरी की
जिदों में

कनाव की स्थिति में मन
को बाँत बनाए रखना
है। लड़ाई में

किसी नकारात्मक वस्तु के प्रति
मन को हटाना

उदा. - जगवर्तेय व्यास जी द्वारा
शस्त्र से ध्यान हटाना

→ बच्चों को संभालना . भावनाओं
का प्रयोग कर
उदा. - जो उसके मन को धाता है उसका
लालच देना।

इस प्रकार अविनात्मक बुद्धिमानों को व्यास जी
की व्यासित्व के आधार पर हमारे उपयोग
हो पाता है जिससे व्यास जी अपने अनुसार
कार्य करा पाता है।

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस इच्छा से नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी व्यक्ति की जब शक्ति प्राप्त होती है तो उसके प्रयोग के बाद जवाब देने की प्रेरणा को ज्ञात है।

उदा. - धारा 144 लगाने पर कार्रवाई करना।
→ RTI के तहत जानकारी न देने पर कानूनों का उल्लंघन करना।

असंख्य बहु-हितधारक - इससे प्रभावित व

संगठन में लाभ -

① सहभागिता ।
→ जनता
→ मोर्चा
→ लोकसेवा लाभार्थियों की
→ NGOs भागीदारी
→ नागरिक सेवक और समाज

उदा. - चुनाव

② पारदर्शिता → प्रत्येक चरण में जवाब देना।

उदा. - RTI, नागरिक चर्चा

- ③ लोक सेवा का विस्तार
- जवाबदाता प्रवेक
 - तरलता प्रवेक
 - शैक्षणिकों का
 - लोके समाधान
- उदा. - DBT व्यवस्था ।

बॉरम-अप हासिकौण

- ① कुशल सोते निमोण
- सहभागिता बढ़ने से
 - मांग के अनुरूप

उदा. → महिलाओं के सुरक्षा पर नीति

↓
PDSM लागू

- ② जनता को प्रत्यक्ष तरीके से जवाब मिल
जाता है।

③ उत्तरदायित्व निर्धारित होता है।

④ नौकरशाही, लालफीतशाही को समाप्ति।

जवाबदेहिता प्रशासन में

प्रतिवार्ध विवर्य है इसे लागू करके अधिकारियों
का जनता के प्रति समर्पण का भाव उत्पन्न
होता है। यदि जवाबदेहिता न होती ~~हू~~ →
प्रतिवार्ध विवर्य के समान होगा।

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
 - ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

यह ठेस सही नवीन तकनीकों में प्राप्त
गलत जानकारी से छात्रों के निजता व
सामाजिक सम्मान के खतरे को रोखता है।

९) सामिल मुद्दे

- ① तकनीक से बेहरे का गलत पहचान से
तकनीक के उपयोग का मुद्दा
- ② महिला अपराध को मुद्दा → ब्रूटपाट
- ③ छात्रों के निजता का मुद्दा → पहले दोषी
माना गया
- ④ व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक स्थिति को असंतुलन
- संतुलन का मुद्दा
- ⑤ भौतिक जाने को संभावना
- ⑥ अपराधों के पकड़ने या न पकड़ने
का मुद्दा

⑥ नकारात्मक प्रभावों को कम करने उपाय →

① प्रयोगों में सुधार -

- प्रयोगों की अधिक सटीक एवं स्पष्टता प्रदान करना
↓
प्रयोगों की पहचान कर सके
- AI के द्वारा बेहतर पहचान तकनीक को प्रशिक्षित जिससे गैर-निष्कर्षों को भी पकड़ सके।
- AI में शायनात्मक बुद्धिमत्ता प्रदान कर प्रभावों को कम करना।

② पुलिस स्तर पर -

- #### ① प्रशिक्षण देना -
- तकनीकी न मात्रात्मक बुद्धिमत्ता आधारित जिससे संदिग्ध पर निष्पक्षता न करें
- ↓
- निष्पक्षता से पहले पूर्णतः स्पष्ट जांच

② बेघरे पहचान तकनीक का उपयोग करते हुए अपराधों तक पहुँचने हेतु SOP का निर्माण किया जा सकता है।

③ मशीनों के सहारे पूर्ण समर्पण कर देने के स्थान पर प्रपनो बहुमिता व पुनर्वास के रूप में मानवीय प्रतिक्रिया का विकास किया जाना चाहिए।

④ घटना स्थल का मुआयना ब्र FIR दर्ज करके व्यवहारिक ज्ञान किया जाना चाहिये एवं तकनीक का उपयोग सहायक रूप में होना चाहिए।

अपराध के स्तर पर — तकनीकों का उपयोग →

① विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी से अनुमान लगाना न कि एक इन्वेज से।

② यदि पीछे स्पष्ट नहीं है तो अपराधों का प्रमाण गैरण नहीं किया जाना चाहिये।

निष्कर्ष

③ अपराधों के भावनात्मक स्थिति पर सहानुभूति रखना चाहिये। → निर्दोष को बर्बर कर सकता है।

अपराधों का तौर निपटान में
संघीयों का उपयोग महत्वपूर्ण हो सकता
है किंतु यह ध्यान रखना होगा कि कोई
निरपेक्ष को सजा न मिले। यह
भारतीय न्यायपालिका का द्योतक प्रतीक है कि —

अपराधी
“ 100 अपराधी इस बात किंतु किसी एक
निरपेक्ष को सजा न हो। ”

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

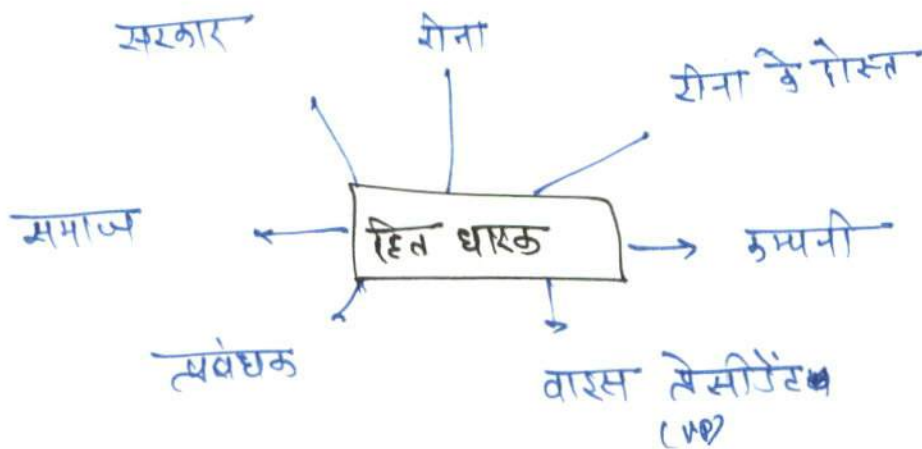
In the given situation:

- What dilemmas does Rina face?
- What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
- Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस वॉशिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह किस स्टेज कार्यस्थल पर होने वाले शेषणों को संभावित घटना को स्पष्ट करता है।



(a) शेना के समस्या डिविधा →

- कम्पनी में नौकरी करे या छोड़ दे
- दोस्तों के साथ ही वॉशिंग की गलत मान ले वॉशिंग मशीन का पता लगाए
- प्रबंधक से शिकायत करे वॉशिंग न करे
- प्रबंधक से बातचीत करे या सीधा शिकायत

⑥ विकल्प -

① मोकरी छोड़ दे

गुण ① संभावित लैंगिक अपराध से बच जायेगी

② घसटजता नहीं रहेगी

दोष ① सच्चाई जाने बिना कदम उठाना अनैतिक होगा।

② VC का पक्ष सुने बिना निर्णय अनिष्पत्त रहेगा

③ मोकरी चली जाएगी।

② प्रबंधक से बातचीत करना -

गुण ① स्थिति के बारे में पता चलेगा

② निष्पक्ष निर्णय में सहायक

③ मोकरो बचो रहेगो

दोष ① VC आहत हो सकता है।

② शेमा पर VC का दबाव बढ़ सकता है।

③ शिवायत करना (बैंगेरु शोषण का) -

गुण → ① सम्भावित घटना से शक्ति मिलेगी।

② VC का व्यवहार सदन करना नहीं पड़ेगा

③ यदि घटना मधों रहा हो
POSM के तहत VC को
भजना मिल सकता है।

दोष

① घटना हुआ नहीं है।

② शिवायत करना बिना अपराध
के अतिचरम स्तर का मिंगेय
होगा।

③ कम्पनी का साथ गिर सकता है।

(c) प्रपनर जे वाबो कार्यवाही -

कार्यवाही

① सचरि जाने को
बोशिश करना

② दोस्त्रों को समझना
(लिप्फनी कसे पर)

श्रीलिप्य

— कम्पनी के रूप में
पारदर्शिता के समझना
आपश्यक है।

— कर्तव्यनिष्ठता
सम्पने उच्च अधिकारी
के साथ

③ प्रबंधक से
बात करना

→ कुशल कार्य संचालित होना
→ अपने विशेष अधिकारी
से बात करना बहुत
प्रशासनिक नियम के
रूप में

④ प्रबंधक से VC के
साथ काम करने के
लेकर स्पष्ट बातचीत

— संभावना है कि प्रबंधक
को प्रावनात्मक बुद्धिमत्ता
से इस बात के लिये
माना जा सकता है।

⑤ VC से बात किया
जा सकता है।

— बहुत ही स्पष्ट
जानकारी लेने और
उसे यह बता देना
की इससे बड़ा होना
काम में सहाय्य हो
गई है।

अपने स्थान पर किसी भी महिला
के साथ कोई प्रपराध होता है तो उसे
POSH के तहत दण्डनीय प्रपराध माना
जाया है। प्रत्येक महिला को रीना की
तरीक़ा कार्यवाही का प्रशिक्षण में अब
बहुत आवश्यकता है तो शिक्षित करना
चाहिये।

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्प्रक्रिया चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

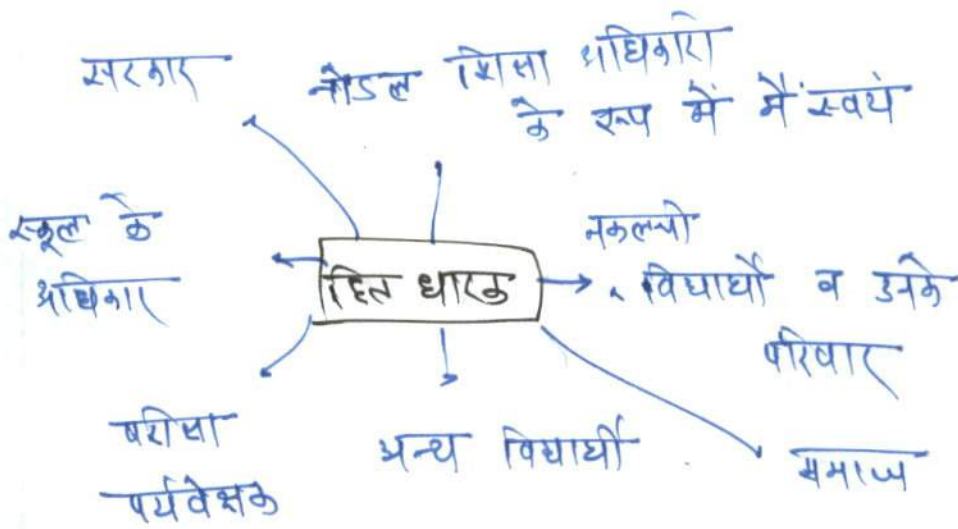
You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

यह केस सखे परीक्षा में परम्परागत के साथ
हो नवीन तकनीकी द्वारा नकल को बढ़ावा
दिया पर आधारित है जिसमें शिक्षा
विभाग के शिक्षक भी मिले हुए होते हैं।



(a) नैतिक मुद्दे:-

- ① पाठ्यक्रम के साथ परीक्षा आयोजन → नकल को घटना
- ② पद का दायित्व का बुझा → परीक्षा का पर्यवेक्षक मिला होना
- ③ प्रशासन में क्षमता → स्कूल अधिकारियों द्वारा रैकेट चलाना ।
- ④ समाजता का अधिकार → नकल न करने व करने
- ⑤ मूल्य अन्याय → नकल करना व उल्लंघन
- ⑥ हड़ताल होने से संभावना : जांच करने के रूप में कार्यवाही करने
- ⑦ संभावना को सुरक्षा → पर पुनः परीक्षा कराने न कराने

(b) मेरे द्वारा समस्या का समाधान →

उम्मीदवारों को
इस कॉलम में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① यह जांच करना कि कितने विषयों के परीक्षा में नकल कराया गया है (स्पष्टता लीजिए)
 - ② जिस विषय पर नकल हुआ है उसे निरस्त कर पुनः परीक्षा कराता → पारदर्शिता को बनाए रखने
 - ③ सरकार के सेवाधर्मों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना → पुनः नकल न हो इसके लिये पुष्टा इंतजाम करना संभव कर सका है।
- जैसे - पुलिस तैनात करना जिससे बाहर से ल्यावते परीक्षा केन्द्र में न आये
- उद्भूत होम बनाना
 - परीक्षा केन्द्र के सभी शिक्षकों को बताना।
- ④ कार्यवाही आगे बढ़ाकर पैरियों को सजा दिलाने का प्रयास कर सकता है। (प्रश्न कर्मचारी)
- ↓
- नकल कराना गैर कानूनी है।

⑩ दलितों को धर्मों की सूचना पुस्तकें
देगा एवं यह समझने का प्रयास
करेगा कि यह प्रवेष्ट कार्य था
(भाषात्मक बुद्धिमत्ता का संयोग)

⑪ मौजिया के माध्यम से माता-पिता व
समाज को लिखित परीक्षा आयोजन करने
के लिये निवेदन एवं नकल करने पर इस
के द्वारा 'गान्ध' व 'डा' को धन्यता
प्रस्ता सकता है।

(C) नकल के व्यतिरे से निपटने निर्धनकालिक शगोते ⇒

① माता-पिता व समाज के मन में
यह जलना कि नकल विद्यार्थी, समाज
व राष्ट्र के लिये वातक है। (योग्यता का
सही मापन नहीं)

② नकल में लिखित शिक्षकों की उद्द समय
के लिये पर्यवेक्षण करने पर रोक लगाना।

③ शिक्षा अधिकारियों पर विभागीय अंच-
चलाना। (मिलीमन्त के काल)

④ नवीन तकनीकों को परीक्षा केन्द्रों में पूर्णतः
बैन करना।

⑤ तकनीकों के उपयोग को चैकने परीक्षा केन्द्र
में जैमर लगाया जा सकता है। (इंटरनेट
अस्थायी रूप से अज्जोर)

⑥ नकल करने व करी पर कानून बनाया
जा सकता है।

नकल के माध्यम से उत्तीर्ण
होना विद्यार्थी और देश के भविष्य के
लिये खतरा हो सकता है इससे समाज
में नैतिकता का पतन एवं विद्यार्थियों में
अंतरात्मा का क्षय हो सकता है।

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

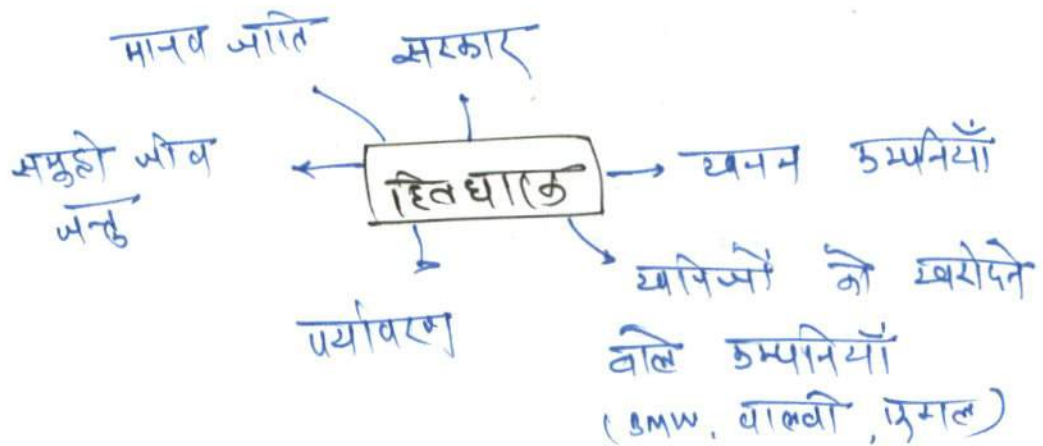
Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
 (b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words)

20

यह किस तरह नवीन खनिज अन्वेषण के तहत समुद्र के तलों से खनिज निकालने और इस निष्कर्षण से होने वाले (समावेत) पर्यावरण क्षति पर आधारित है।



(c) नैतिक मुद्दे →

- ① उपभोक्तावाद का मुद्दा (खनिज निकालना)
- ② विकास vs पर्यावरण संरक्षण
- ③ मानववाद vs प्राणवतावाद (मनुष्य पर्यावरण)
- ④ समुद्री अन्वेषण vs समुद्री सुरक्षा
 (जलवायु, वनस्पति, जीवों का पता लगाना, समुद्र को संरक्षित रखना)

(6) संचारनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना
आर्थिक विकास →

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① समुहो ध्वन से पहले स्पष्ट व पारदर्शी तरीके से पर्यावरण प्रभाव आकलन एवं समाज पर प्रभाव आकलन को पूर्ण करना चाहिये।
- ② जावाक को वह उपमोक्षवाद को नरम के स्थान पर पर्यावरण को प्रो ध्यान में रखना चाहिये।
- ③ गांधी जो के अनुसार प्रकृति हमारे आवश्यकता पूरी कर सकती हैं लालच नहीं मतः अंतिम स्थाय के रूप में आवश्यकता के अनुसार ही जमानों का फैसला करना चाहिये।
- ④ ऐसे स्थल का चयन करना जहाँ समुहो पारिस्थितिकीय तंत्र पर निम्न प्रभाव पड़े।
- ⑤ मानवतावाद को बढ़ावा देकर विकास के क्षेत्र में समुह के साथ ही पर्यावरण को प्रो रखना चाहिये।

- ① ऐसे तकनीकों का प्रयोग करना जो समूहों जन-जीवन पर हस्तक्षेप न करें।
- ② गाँवों में मछलीपट्टों का प्रक्षेप, शीत द्रव्य है तो पूर्व निर्धारित करके ये क्षतिपूर्ति उपाय करना चाहिये।
- ③ जनक हेतु एक व्यापक राष्ट्रीय नीति का निर्माण करना जिससे कंपनियों अपने मनमानी करके समूह का फायदा न कर सकें।
- ④ सरकार योजना सागरमाला, ~~SAAGAR MALA~~ SAAGAR MALA को बढ़ावा देना चाहिये।

आर्थिक विकास मानव के लिये आवश्यक है किंतु पर्यावरण का संरक्षण करते हुए संचालनीय उपयोग को सुनिश्चित करते पृथ्वी को दूरा न विवर्धित रखा जा सकता है।

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

11.

श्री बाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

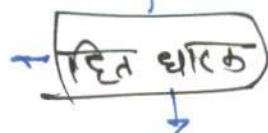
20

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

यदि उस स्थली धार्मिक संरचना का निर्माण,
निर्माण में होने वाली यातायात, प्रदूषण व
पर्यावरण क्षति के साथ धार्मिक मान्यता
व विश्वास पर प्रभावित है।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप
में मैं

अपने बलि
पर्यटक



पर्यावरण

(a) दोनो हासिकीयों में सामंजस्य —

- ① धनु. २५ के अंतर्गत धार्मिक भावना का सम्मान करेंगे।
 - ② निर्माणाधीन सैजना का जॉय कर सुरक्षा, क्षमता, का आकलन कर सकता है।
 - ③ यह देखना के व्या निर्माण लाउन एवं कच्ची लान के प्रत्यक्ष हैं या नहीं।
 - ④ जैनिंग नियमों का पालन ठिपा गया है या नहीं। नहीं लिखा गया तो पालन वैसे निर्धारित।
 - ⑤ सड़क व्यवस्था का जॉय कर इसका एक समय में क्षमता का निर्धारण किया जा सकता है।
 - ⑥ पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर ७ सामंजस्य बनाया जा सकता है।
(सड़क के दोनों किनारे में।)
 - ⑦ दोनो धर्मों के प्रमुखों से बात कर सकता है।
- (b) (1) विशेष को अवरोधपूर्ण → धार्मिक अनुभूति

लाभ - ① जो बड़े समुदाय के धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार बना रहेगा

② पर्यटकों से क्षेत्र का विकास की संभावना होगी।

हानि

① पर्यावरण संप्रषण बड़ेगा। (प्रभाव रिपोर्ट नहीं)

② सत्राय निवासियों का विरोध उत्पन्न हो सकता है।

③

③ इफिक्र आम की समस्या उत्पन्न हो सकती है (1000+ लोगो से)

② पूजा स्थल नहीं बनना → निवासियों से सहमत

लाभ

① पर्यावरण प्रभाव रिपोर्ट नहीं मिला है निर्माण न होने से पर्यावरण का हानि बच जाएगा।

② निवासियों का विरोध नहीं होगा।

③ सार्वजनिक जालों को उपयोग वाले सड़कें खोले से बाहर होगा।

हानि

① धार्मिक प्रभावना महत्व होगा।

② पर्यटन का लाभ क्षेत्र को नहीं मिल पायेगा।

③ धार्मिक संस्थाओं द्वारा विरोध किया जा सकता है।

③

(प्राम) स धार्मिक भावना बना रहेगा (अनु. 25)

① पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा।

② ग्रामीण क्षेत्रों में विविध उद्योग होंगे।

④ ईंधन जल की समस्या से
मु. समाप्ति उत्तरा कम हो
सकता है।

(हानि) - श्री लॉर्ड समुदाय द्वारा शिक्षा पर
मसहमतों व्यक्त किया जा
सकता है।

~~संकेत~~

धार्मिक भावना को मानना व विकास
तथा पर्यावरण का संरक्षण दोनों आवश्यक है इसे
लिखें इनके मध्य संतुलन आवश्यक है।

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

यह कैस स्टडी राजनीति में बेर बेर, बेर पद को लालसा एवं भर्त्सनीय व भर्त्सनीय विवाह के मध्य इस पर आधारित है।

(a) नैतिक मुद्दे —

- राजनैतिक मोहदा vs भर्त्सनीय पक्ष
- राजनैतिक प्रतिनिधित्व vs भर्त्सनीय विवाह
- कट्टरवाद vs माधुर्य विचारधारा
- छिंद की प्राप्ति vs बेरों का पक्ष
- भर्त्सनीय vs साधारण शापी
- अभिव्यक्ति के आधारों vs खरीदार

(b) अपलक्ष्य विकल्प

इस पिता के रूप में —

- बेरो को शापी इसी समुदाय के लड़के से कर देना
- शापी से मांग कर देना

① सामान्य श्राद्धों की अनुमति देना।

राज्यनिराकरण के रूप में

① अहिंसा के स्वरूप को बनाए रखकर
जनता के मध्य अपनी स्थिति
को बनाए रखना।

② शादी की अनुमति देकर भावनात्मक
बुद्धि का उपयोग कर दाईं काम को
मानना।

③ राजनिराकरण पक्षों को सर्वोपरि रखकर
बेटी की इच्छा को नकार देना।

④ विवाहों का तरीका -

① पक्षों के उच्च अधिकारियों से बात
का और यह बनाना कि इस
विवाह से अकारणत्मक संदेश
आयेगा।

② पक्षों के साथ अपने समर्पण,
त्याग, कर्तव्यनिष्ठता को प्रदर्शित
कर सकता है।

उम्मीदवारों को
इस मार्ग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

③ बेहो के आदी के अनुमति देना।

नोट → माधुलेकावरी विचारधारा के स्वीकार

① गांधी जी के मेरर्स अंग्रजातिय
विवाह के मान्यता देना।

② कानून के समानता के भाव के
स्वीकार करना।

③ पार्ले व विवाह दौरो को अपने
अंतरात्मा बौध्द व लक्ष्मण वरस्यता
से प्रलग्न रख सकता है।

④ बेहो को अभिध्यामि व जीवन के
अधिकार का सम्मान।

विवाह एक जीवन का अधिकार
के तहत मौलिक अधिकार है जिसे
राजनीतिक महत्त्वकोश। से दबा देना
गोचर का लक्ष्य होगा।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL